ty lj{k.k d mik;

राँची में सुखाड़ के कारण पेयजल की संकट उत्पन्न हो गई है। इस समस्या के समाधन के लिए हम सब की मुख्य भागीदारी है।

- पानी व्यर्थ ना बहाएं। जब भी आप दाँतो को ब्रश करते या दाढ़ी बनाते हैं, तो उस समय व्यर्थ ही आपके नल से पानी बेकार बहता रहता है। इसलिए जब उसका इस्तमाल न करना हो तो बंद ही रखें। इसी तरह नहाते वक्त और किचन में बर्तन धोते वक्त भी पानी को ठीक से प्रयोग करें। शौचालय में अनावश्यक जल बहाव से बचें।
- घरों की नालियों के पानी को गढ्ढे बनाकर एकत्र किया जाए और पेड़–पौधों की सिंचाई के काम में लिया जाए, तो साफ पेयजल की बचत अवश्य की जा सकती है ।
- घरों मुहल्लों और सर्वाजनिक पार्कों, स्कूलों, अस्पतालों, दुकानों, मन्दिरों आदि में लगी नल की टोटियाँ खुली या टुटी रहती है, तो अनजाने ही प्रतिदिन हजारों लीटर जल बेकार हो जाता है। उसे शीघ्र मरम्मत करवाया जाय।
- यदि नल से पानी टपक रहा है तो उसे शीघ्र ठीक कराएँ। कम प्रवाह वाले नल लगवायें।
- वाशिंग मशीन में पानी का प्रयोग ज्यादा होता है। रोज–रोज कपड़े धाने से ज्यादा पानी खर्च होता है इसलिए कपड़े इकठ्ठा करके धोएं।
- नाली को साफ सखें। जब भी नाली गंदी या फिर उसमें कुछ फंसा होता है तो उस गंदगी को निकालने के लिए हम पानी का प्रयोग करते है। जिस बजह से पानी बहुत ज्यादा खर्च होता है।
- नहाते वक्त बाल्टी के पानी का प्रयोग करें क्योंकि शावर से पानी ज्यादा खर्च होता है।
- कार या बाईक धोने के लिए पाईप नहीं बल्कि बाल्टी का ही इस्तमाल करें और ज्यादा पानी खर्च न करें।
- पानी एकत्र करने वाली टंकियों को ऊंचे स्थान पर रख कर उसे अच्छी तरह से बन्द कर उसमें नल लगाकर पानी को इस्तेमाल को सुनिश्चित करें।
- खुले स्थान पर एवं नदीं/तलाबों के किनारे शौच न करें।
- अपने आस पास वातावरण को साफ एवं स्वच्छ रखें।

Tky rk g lkuk] bl dHkh Hkh ugh [kkukA

ftyk vkink ic/ku ikf/kdkj] jkph